UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI (NAINITAL)
उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

M.A. Music(Instrumental-Tonal) 1st YEAR (MAMI-11)
एम0ए0 संगीत(स्वरवाद्य) प्रथम वर्ष सत्रीय कार्य

Last Date of Submission: 15 May, 2012

Course Title: Raago Aur Taalo Ka Addhyna | **Course Code: M.A.M.I.-02**
कोर्स शीर्षक : रागों और तालों का अध्ययन | कोर्स कोड : एम0ए0एम0आई0–02
Year: 2011-12 (Summer) | **Maximum Marks: 40**
सत्र : 2011–12 | अधिकतम अंक : 40

❖ खण्ड़ क में आठ लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, इनमें से केवल चार प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं तथा प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक नही होना चाहिए।

खण्ड़ – क

1. भारतीय स्वरवाद्यों(तत् व सुषिर) की उत्पत्ति एवं विकास पर चर्चा कीजिए।
2. वादी, सम्वादी, अनुवादी एवं विवादी स्वरों के महत्व पर प्रकाश डालिए।
3. राग एवं रागिनी की व्याख्या कीजिए।
4. रागों के समय चक्र पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
5. ग्राम और मूर्च्छना की अवधारणा को समझाइये।
6. पाठ्यक्रम के रागों में से किन्हीं चार रागों का पूर्ण परिचय दीजिए।
7. निम्न में से किन्हीं दो ग्रन्थों का विस्तृत वर्णन कीजिए :–
   नाट्यशास्त्र, बृहद्देशी, स्वरमेलकलानिधि, संगीत दर्पण
8. पाठ्यक्रम की किन्हीं तीन तालों का पूर्ण परिचय दीजिए एवं उनकी दुगुन, तिगुन, चौगुन व आड भी लिखिए।

❖ खण्ड़ ख में चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं।

खण्ड़ – ख

1. तन्त्रवाद्य के घरानों का विस्तृत वर्णन कीजिए एवं वर्तमान में घरानों के प्रमुख कलाकारों का भी उल्लेख कीजिए।
2. पाठ्यक्रम के किन्हीं तीन रागों में मसीतखानी गत, रजाखानी गत व तोड़ों को लिपिबद्ध कीजिए।
3. पाठ्यक्रम के किन्हीं दो रागों में 1 द्रुत गत व तोड़ों को लिपिबद्ध कीजिए।
4. स्वरलिपि पद्धतियों का पूर्ण परिचय दीजिए एवं इनका तुलनात्मक अध्ययन भी प्रस्तुत कीजिए।